

प्रारंभिक परीक्षा

आकाश प्राइम

संदर्भ

भारत ने लद्दाख में आकाश-प्राइम और ओडिशा में पृथ्वी-2 तथा अग्नि-1 का सफल परीक्षण किया।

आकाश प्राइम मिसाइल के बारे में -

- यह आकाश मिसाइल प्रणाली का उन्नत संस्करण है, जिसे विशेष रूप से उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों (4,500 मीटर से अधिक) में संचालन के लिए अनुकूलित किया गया है।
- यह एक मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (SAM) प्रणाली है जिसे विभिन्न हवाई खतरों से मोबाइल, अर्ध-मोबाइल और स्थिर सैन्य परिसंपत्तियों की रक्षा के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- प्रमुख उन्नयन:
 - स्वदेशी रेडियो फ्रीक्वेंसी (RF) सीकर: यह रेडियो सिग्नल उत्सर्जित करने तथा उड़ान के अंतिम चरण के दौरान लक्ष्यों को सटीक रूप से ट्रैक करने और उन पर निशाना साधने में सक्षम है।
 - प्रदर्शन: कम तापमान और उच्च ऊंचाई की स्थितियों में विश्वसनीय प्रदर्शन सुनिश्चित करना।
- यह मिसाइल लगभग 25 से 30 किलोमीटर की सीमा के भीतर लक्ष्य को भेद सकती है।



अग्नि-1 मिसाइल के बारे में -

- यह एक मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल (MRBM) है जिसकी मारक क्षमता 700 से 900 किमी है।
- यह एकल-चरण, ठोस-ईंधन मिसाइल है।
- हाल ही में अपग्रेड:
 - उन्नत सटीकता के लिए एक उन्नत मार्गदर्शन प्रणाली।
 - इसकी विध्वंसक क्षमता में सुधार के लिए एक नया हथियार।
- परिचालन तैनाती के लिए भारतीय सेना की सामरिक बल कमान द्वारा शामिल किया गया।
- अग्नि-1 भारत के एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम (IGMDP) का एक उत्पाद है, जो 1983 में शुरू हुआ था।



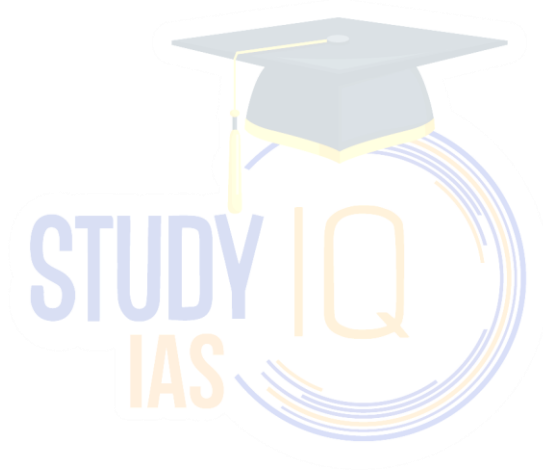
पृथ्वी-II मिसाइल के बारे में -

- पृथ्वी-II एक सतह से सतह पर मार करने वाली, परमाणु क्षमता वाली छोटी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल (SRBM) है।
- इसकी मारक क्षमता 350 किमी है।
- यह द्रव-चालित द्वि-इंजन द्वारा संचालित है, जो उच्च थ्रस्ट और लचीलापन प्रदान करता है।
- यह मिसाइल उन्नत जड़त्वीय मार्गदर्शन प्रणाली (Inertial Guidance System) और गतिशील प्रक्षेपवक्र (Maneuvering Trajectory) से सुसज्जित है, जिससे यह सटीक निशाने पर वार कर सकती है।
- यह भारतीय सशस्त्र बलों की एक सिद्ध और विश्वसनीय मिसाइल प्रणाली है।



- 2003 में सेवा में शामिल किये जाने के बाद से यह भारत के सामरिक शस्त्रागार का हिस्सा रही है।
- पृथ्वी-II उन प्रथम मिसाइलों में से एक है जिसे भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम (IGMDP) के तहत विकसित किया गया था।

स्रोत: [द हिंदू](#)



केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (CARA)

संदर्भ

CARA ने राज्य दत्तक ग्रहण एजेंसियों को किशोर न्याय अधिनियम और दत्तक ग्रहण विनियम, 2022 के अनुसार भावनात्मक तैयारी तथा कल्याण सुनिश्चित करने के लिए दत्तक ग्रहण के सभी चरणों में संरचित परामर्श को तेज करने का निर्देश दिया है।

केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (CARA) के बारे में -

- यह भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अधीन एक वैधानिक निकाय है।
- प्रारंभ में 1990 में एक स्वायत्त निकाय के रूप में स्थापित, यह किशोर न्याय अधिनियम, 2015 की धारा 68 के तहत एक वैधानिक निकाय बन गया।
- यह देश के भीतर और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय बच्चों को गोद लेने के लिए नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करता है।
- CARA मान्यता प्राप्त दत्तक ग्रहण एजेंसियों के माध्यम से अनाथ, परित्यक्त तथा आत्मसमर्पण किए गए बच्चों को गोद लेने का काम संभालता है।
- यह अंतर्देशीय दत्तक ग्रहण पर हेग कन्वेंशन (1993) के तहत अंतर्देशीय दत्तक ग्रहण के लिए केंद्रीय प्राधिकरण भी है, जिसे भारत ने 2003 में अनुमोदित किया था।
- भारत में, कानूनी रूप से गोद लेना निम्नलिखित के अंतर्गत हो सकता है:
 - हिंदू दत्तक ग्रहण और भरण-पोषण अधिनियम, 1956
 - संरक्षक और प्रतिपाल्य अधिनियम, 1890
 - किशोर न्याय अधिनियम, 2000 (और संशोधित 2015)।
- किशोर न्याय अधिनियम 2015 बाल देखभाल संस्थानों (CCI) के पंजीकरण और उन्हें CARA से जोड़ने का आदेश देता है।
- CARA के कार्य:
 - देश में संपूर्ण गोद लेने की प्रक्रिया की निगरानी और विनियमन करना।
 - गोद लेने के आवेदनों की प्रक्रिया:
 - एनआरआई, ओसीआई, तथा प्राधिकृत एजेंसियों या भारतीय राजनयिक मिशनों के माध्यम से विदेश में रहने वाले विदेशी।
 - एक वर्ष से अधिक समय से भारत में रहने वाले विदेशी या ओसीआई।
 - सभी अंतर-देशीय दत्तक ग्रहण मामलों के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) जारी करना।
 - अंतर-देशीय दत्तक ग्रहण के लिए हेग कन्वेंशन के अनुच्छेद 23 के अंतर्गत अनुरूपता प्रमाणपत्र जारी करना।
 - आव्रजन प्राधिकारियों (भारत और प्राप्तकर्ता देश) को सूचित करना।
 - राज्य दत्तक ग्रहण संसाधन एजेंसियों (एसएआरए), जिला बाल संरक्षण इकाइयों (डीसीपीयू) और विशिष्ट दत्तक ग्रहण एजेंसियों (एसएए) की निगरानी और विनियमन करना।
 - गोद लेने में शामिल हितधारकों की क्षमता निर्माण के लिए प्रशिक्षण, कार्यशालाएं और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करना।
 - बाल दत्तक ग्रहण संसाधन सूचना एवं मार्गदर्शन प्रणाली (CARINGS) के माध्यम से एक केंद्रीकृत डेटाबेस बनाए रखना।



Central Adoption Resource Authority

Ministry of Women & Child Development
Government of India

स्रोत: द हिंदू

प्रश्नकाल(Question Hour)

संदर्भ

तृणमूल कांग्रेस (TMC) नेता डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि 'प्रश्नकाल उन कुछ साधनों में से एक है जो सरकार को जवाबदेह ठहराने के लिए विपक्ष के पास अभी भी उपलब्ध हैं।'

भारतीय संसद में प्रश्नकाल -

- प्रश्नकाल संसद की बैठक का पहला घंटा होता है (जब सत्र चल रहा हो) जिसके दौरान संसद सदस्य (सांसद) मंत्रियों से उनके मंत्रालयों के कामकाज के बारे में प्रश्न पूछते हैं।
- यह सरकारी जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण है।
- संसद में पहला प्रश्न 1893 में, स्वतंत्रता-पूर्व ब्रिटिश शासन के दौरान पूछा गया था।
- समय:
 - लोकसभा: आमतौर पर प्रत्येक दिन की बैठक प्रश्नकाल से शुरू होती है।
 - राज्यसभा: प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक (2014 से)
 - नहीं रखा जाता है:
 - जिस दिन राष्ट्रपति संसद को संबोधित करते हैं।
 - जिस दिन केंद्रीय बजट पेश किया जाता है।
- नियम एवं प्रक्रिया:
 - द्वारा शासित:
 - लोकसभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमों के नियम 32-54।
 - लोकसभा अध्यक्ष द्वारा दिए गए निर्देश 10-18।
 - प्रश्न सामान्यतः 15 दिन पहले प्रस्तुत किये जाने चाहिए।
 - एक सांसद द्वारा प्रतिदिन अधिकतम 5 प्रश्न (मौखिक और लिखित सहित) प्रस्तुत किये जा सकते हैं।
 - अतिरिक्त सूचनाएं सत्र के अगले दिनों तक स्थगित कर दी जाती हैं।
 - प्रश्न ऑनलाइन (सदस्य पोर्टल के माध्यम से) या संसदीय सूचना कार्यालय से मुद्रित रूप में प्रस्तुत किए जाते हैं।
 - प्रश्नों की ग्राह्यता के संबंध में अंतिम विवेकाधिकार अध्यक्ष (लोकसभा) या सभापति (राज्यसभा) के पास होता है।

प्रश्नों के प्रकार -

प्रकार	प्रतिक्रिया	अनुपूरक प्रश्न की अनुमति	जमा करने का समय	दैनिक सीमा
तारांकित	मौखिक रूप से उत्तर दिया जाता है	✓ हाँ	15 दिन पहले	20 प्रति दिन
अतारांकित	लिखित रूप में उत्तर दिया जाता है	✗ नहीं	15 दिन पहले	230 प्रति दिन
अल्प अवधि सूचना	मौखिक रूप से उत्तर दिया जाता है	✓ हाँ	10 दिन से कम (अत्यावश्यक मुद्दे)	कोई निश्चित सीमा नहीं
निजी सदस्यों के लिए प्रश्न	उन सांसदों को संबोधित जो मंत्री नहीं हैं (जैसे निजी सदस्य के विधेयकों पर)	निर्भर करता है	भिन्न	शायद ही कभी इस्तेमाल किया

स्रोत: [इंडियनएक्सप्रेस](#)

अनुसंधान विकास और नवाचार(RDI) योजना

संदर्भ

भारत सरकार ने भारत के अनुसंधान और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए अनुसंधान विकास और नवाचार (RDI) योजना को मंजूरी दी।

RDI योजना के बारे में -

- **कॉर्पस:** ₹1 लाख करोड़
- **नोडल मंत्रालय:** विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी)
- **उद्देश्य:**
 - **निजी क्षेत्र के RDI को बढ़ावा देना:** उभरते क्षेत्रों, रणनीतिक प्रौद्योगिकियों और आत्मनिर्भरता एवं आर्थिक सुरक्षा से संबंधित क्षेत्रों में निवेश को प्रोत्साहित करना।
 - **उच्च-टीआरएल परियोजनाओं को वित्तपोषित करना:** उच्च प्रौद्योगिकी तत्परता स्तर (टीआरएल) पर अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं का समर्थन करना।
 - **महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों का अधिग्रहण:** राष्ट्रीय हितों के लिए महत्वपूर्ण रणनीतिक प्रौद्योगिकियों के अधिग्रहण को सक्षम बनाना।
 - **डीप-टेक फंड ऑफ फंड्स की स्थापना:** स्टार्टअप्स और नवाचार-आधारित उद्यमों के लिए डीप-टेक फंड ऑफ फंड्स की सुविधा प्रदान करना।
- **दो-स्तरीय प्रणाली वित्तपोषण तंत्र:**
 - **विशेष प्रयोजन निधि (SPF)** → निधियों का संरक्षक।
 - **द्वितीय-स्तरीय निधि प्रबंधक** → निम्नलिखित माध्यम से निधि वितरित करते हैं:
 - दीर्घकालिक रियायती ऋण
 - इक्विटी निवेश (विशेषकर स्टार्टअप के लिए)
 - FoF योगदान (जैसे डीप-टेक FoF)
- **महत्व:**
 - निजी अनुसंधान एवं विकास (R&D) में धन की कमी को दूर करता है।
 - प्रौद्योगिकी आधारित आर्थिक वृद्धि को प्रोत्साहित करता है।
 - नवाचार में भारत को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने का लक्ष्य रखता है।
 - **2030 तक 500** गीगावॉट गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता और **2070 तक शुद्ध-शून्य** उत्सर्जन प्राप्त करने की भारत की दृष्टि को तेज़ करता है।

अनुसंधान एवं विकास व्यय की वैश्विक तुलना (जीडीपी के % के रूप में) -

- **संयुक्त राज्य अमेरिका:** अपने सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 3.5% अनुसंधान और विकास पर खर्च करता है।
- **चीन:** सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 2.4% अनुसंधान एवं विकास के लिए आवंटित करता है।
- **भारत:** अनुसंधान एवं विकास पर सकल घरेलू उत्पाद का केवल 0.65% से 0.7% ही खर्च करता है।

स्रोत: [पीआईबी](#), [इकोनॉमिक टाइम्स](#)

समाचार संक्षेप में

ज़िमिस्लेसेल(Zimislecel)

समाचार? न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित एक अध्ययन में, ज़िमिस्लेसेल ने एक वर्ष के भीतर 12 टाइप 1 मधुमेह रोगियों में इंसुलिन उत्पादन और रक्त शर्करा में सुधार किया।

ज़िमिस्लेसेल क्या है?

- यह टाइप 1 मधुमेह के लिए एक प्रायोगिक चिकित्सा है, जिसमें शरीर के प्राकृतिक इंसुलिन उत्पादन को बहाल करने के लिए स्टेम सेल-व्युत्पन्न आइलेट कोशिकाओं को यकृत में डाला जाता है।
- यह काम किस प्रकार करता है?
 - टाइप 1 मधुमेह शरीर की आइलेट कोशिकाओं (अग्राशय में) को नष्ट कर देता है, जो इंसुलिन का उत्पादन करती हैं।
 - ज़िमिस्लेसेल बहुशक्तिशाली स्टेम कोशिकाओं का उपयोग करता है, जिन्हें प्रयोगशाला में विकसित किया जाता है और कार्यशील इंसुलिन उत्पादक आइलेट कोशिकाओं में परिपक्व किया जाता है।
 - इन कोशिकाओं को फिर यकृत पोर्टल शिरा में डाला जाता है, जिसका उद्देश्य यकृत में बसना और इंसुलिन उत्पादन को फिर से शुरू करना है।

स्टेम सेल क्या हैं?

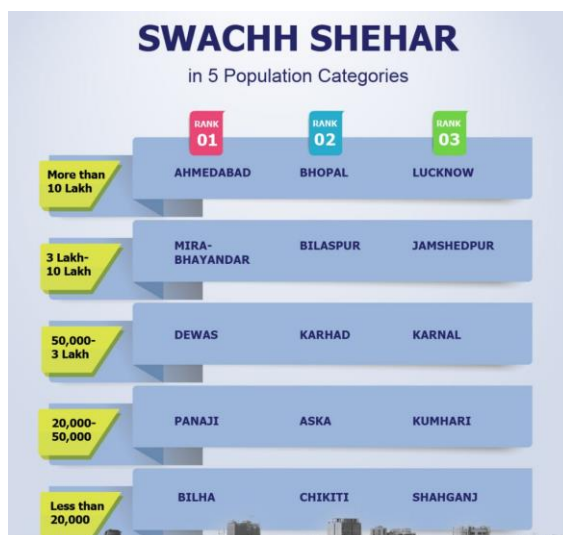
- स्टेम सेल शरीर में अद्वितीय कोशिकाएं होती हैं जिनके दो प्रमुख गुण होते हैं:
 - **आत्म-नवीकरण:** वे लंबी अवधि में विभाजित हो सकती हैं और अपनी अधिक प्रतियां बना सकती हैं।
 - **विभेदन:** वे अविशिष्ट कोशिकाएं हैं जिनमें शरीर में कई विभिन्न प्रकार की विशिष्ट कोशिकाओं में विकसित होने की क्षमता होती है, जैसे मांसपेशी कोशिकाएं, रक्त कोशिकाएं, मस्तिष्क कोशिकाएं, आदि।
- **स्टेम सेल के प्रकार:**
 - **भ्रूणीय स्टेम सेल** - बहुशक्तिशाली; किसी भी प्रकार की कोशिका बन सकती हैं।
 - **वयस्क स्टेम सेल** - सीमित प्रकार; अस्थि मज्जा जैसे ऊतकों में पाई जाती हैं।
 - **इंड्यूस्ड प्लुरिपोटेंट स्टेम सेल (iPSCs)** - वयस्क कोशिकाओं को भ्रूण स्टेम कोशिकाओं की तरह व्यवहार करने के लिए पुनः प्रोग्राम किया जाता है।

स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार

हाल ही में भारत के राष्ट्रपति ने स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार प्रदान किए।

पुरस्कार के बारे में -

- यह भारत के स्वच्छ भारत मिशन का एक हिस्सा है, जिसका उद्देश्य शहरों और कस्बों को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के माध्यम से शहरी स्वच्छता और सफाई में सुधार के लिए प्रोत्साहित करना है।
- **स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 पुरस्कार:**



सुपर स्वच्छ लीग (SSL) -

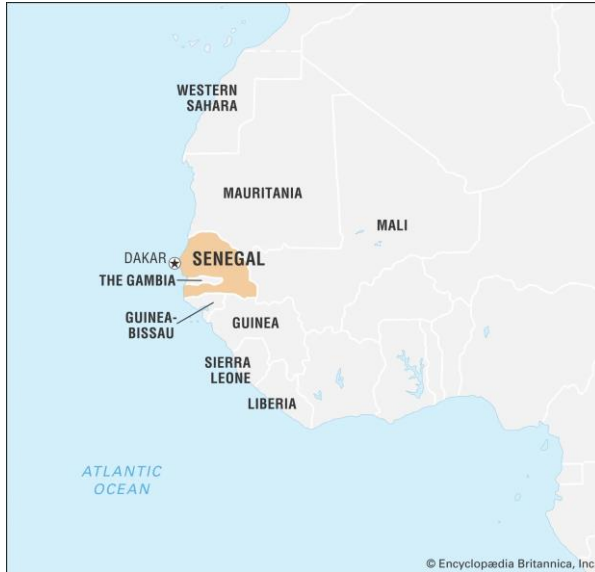
- यह आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (MoHUA) द्वारा शुरू किए गए स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कारों के तहत एक विशेष मान्यता श्रेणी है।
- शहरी स्वच्छता और सफाई में निरंतर उत्कृष्टता दिखाने वाले शीर्ष प्रदर्शन करने वाले शहरों को सम्मानित करना।



स्रोत: पीआईबी

समाचार में स्थान

सेनेगल



समाचार? पूर्व औपनिवेशिक शासक फ्रांस ने सेनेगल में अपना अंतिम सैन्य अड्डा सौंप दिया है।

सेनेगल के बारे में -

- **स्थान:** पश्चिमी अफ्रीका
 - कर्क रेखा के ठीक दक्षिण में स्थित है।
- **सीमावर्ती देश: 5**
 - मॉरिटानिया – उत्तर में
 - माली – पूर्व में
 - गिनी – दक्षिण-पूर्व में
 - गिनी-बिसाऊ – दक्षिण में
 - गाम्बिया – लगभग पूरी तरह से सेनेगल से घिरा हुआ, गाम्बिया नदी के किनारे देश को चीरता हुआ
- **बड़े शहर:**
 - डकार - राजधानी और सबसे बड़ा शहर।
 - थिएस
 - टूबा
 - सेंट लुइस - ऐतिहासिक औपनिवेशिक शहर और पूर्व राजधानी।
 - ज़िगुइनचोर।

स्रोत: द हिंदू

संपादकीय सारांश

चीन हरित ऊर्जा क्षेत्र में किस प्रकार अग्रणी है?

संदर्भ

चीन वैश्विक हरित ऊर्जा क्षेत्र की दौड़ में अग्रणी है।

कुछ तथ्य -

- **सभी देशों की तुलना में अधिक स्थापित (2024):** 2024 में, चीन ने अन्य सभी देशों की तुलना में अधिक पवन टर्बाइन और सौर पैनल स्थापित किए।
- **अकेले 2024 में 940 बिलियन डॉलर का निवेश:** चीन के नवीकरणीय क्षेत्र में 940 बिलियन डॉलर का रिकॉर्ड निवेश देखा गया, जबकि भारत में यह निवेश 3.4 बिलियन डॉलर (2024-25) रहा।
- **आपूर्ति श्रृंखला नियंत्रण:** सौर पैनलों, पवन टर्बाइनों और बैटरियों के साथ-साथ पॉलीसिलिकॉन और लिथियम जैसे अपस्ट्रीम कच्चे माल के विनिर्माण और आपूर्ति श्रृंखला पर प्रभुत्व रखता है।
- **वैश्विक नवीकरणीय ऊर्जा निवेश का 55%:** चीनी राज्य के स्वामित्व वाले उद्यम (एसओई) सभी वैश्विक हरित ऊर्जा निवेश का 55% हिस्सा हैं (ब्लूमबर्ग)।

हरित ऊर्जा महाशक्ति बनने की चीन की यात्रा -

- **उत्प्रेरक के रूप में संकट:** 2000 के दशक के प्रारंभ में गंभीर वायु प्रदूषण और ऊर्जा असुरक्षा ने हरित परिवर्तन को जन्म दिया।
 - कोयले पर निर्भरता ने प्रमुख शहरों को लगभग रहने लायक नहीं बना दिया, जिससे जनता पर दबाव बढ़ गया।
- **नीति एवं योजना:**
 - **नवीकरणीय ऊर्जा कानून (2005):** नवीकरणीय ऊर्जा के लिए ग्रीड तक पहुंच और मूल्य निर्धारण प्रोत्साहन की गारंटी।
 - **11वीं पंचवर्षीय योजना (2006-10):** नवीकरणीय ऊर्जा को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया गया।
 - पायलट परियोजनाओं के लिए गांसू, इनर मंगोलिया और जियांग्सू जैसे प्रांतों का उपयोग किया गया।
- **सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और बैंकों की भूमिका:** सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (स्टेट ग्रीड, हुआनेंग, जेनरेटेक) ने बड़ी परियोजनाएं क्रियान्वित कीं।
 - सार्वजनिक बैंकों ने नवीकरणीय ऊर्जा के विस्तार के लिए कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराया।
- **अनुसंधान एवं विकास और विनिर्माण पैमाना:**
 - बड़े पैमाने पर सरकारी सब्सिडी और अनुसंधान एवं विकास निवेश से लागत कम हो गई।
 - ऊर्ध्वाधर एकीकरण ने पैमाने और वैश्विक निर्यात को सक्षम किया (जैसे बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव)।
- **बुनियादी ढांचा निवेश:**
 - अल्ट्रा-हाई-वोल्टेज ट्रांसमिशन में निवेश करके कठौती संबंधी समस्याओं पर काबू पाया गया।
 - स्टेट ग्रीड का निवेश 33.3 बिलियन डॉलर (2010) से दोगुना होकर 88.7 बिलियन डॉलर (2024) हो गया।

चीन के हरित ऊर्जा नेतृत्व के निहितार्थ -

- **वैश्विक ऊर्जा शक्ति परिवर्तन:** चीन ने न केवल विनिर्माण, बल्कि नवाचार और तैनाती पर भी अपना दबदबा बनाकर खेल के नियम निर्धारित कर दिए हैं।
 - अब यह वैश्विक स्तर पर ऊर्जा अवसंरचना का निर्यात करता है - BRI के माध्यम से 61 देश इसमें शामिल हैं।

- **रणनीतिक नियंत्रण:** महत्वपूर्ण सामग्रियों (लिथियम, दुर्लभ पृथ्वी) और घटक उत्पादन (सौर वेफर्स, बैटरी) पर चीन का नियंत्रण कई देशों को चीनी आपूर्ति श्रृंखलाओं पर निर्भर बनाता है।
- **कूटनीति और शासन कला उपकरण:** नवीकरणीय प्रौद्योगिकी चीन के भू-राजनीतिक टूलकिट का हिस्सा बन गई है, जिसका उपयोग अफ्रीका, दक्षिण पूर्व एशिया और लैटिन अमेरिका के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए किया जाता है।
- **पश्चिमी प्रतिक्रिया:** अमेरिका जैसे देश अब मुद्रास्फीति न्यूनीकरण अधिनियम जैसे अधिनियमों के माध्यम से हरित ऊर्जा को "पुनर्स्थापित" करने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन उन्हें उच्च लागत और धीमी कार्यान्वयन का सामना करना पड़ रहा है।

भारत और विश्व के लिए महत्वपूर्ण सबक -

- **रणनीतिक दीर्घकालिक योजना लाभदायक:** चीन की दो दशक की बढ़त, छोटी पायलट परियोजनाओं से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार तक, योजना में निरंतरता के कारण आई है।
- **सक्षमकर्ता के रूप में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम:** राज्य के स्वामित्व वाले उद्यम, अधिदेश, पूंजी और नीति संरक्षण के साथ समर्थित होने पर तीव्र तैनाती कर सकते हैं।
- **क्षमता के साथ-साथ बुनियादी ढांचे का निर्माण करना:** 2010 के दशक के मध्य में कटौती की समस्या से पता चलता है कि ट्रांसमिशन बुनियादी ढांचे के बिना उत्पादन अक्षमताएं पैदा करता है।
- **गति और निगरानी में संतुलन:** अत्यधिक सब्सिडी के कारण अपव्यय और अधिक क्षमता उत्पन्न हुई; बाद में बेहतर योजना और निगरानी द्वारा इसे ठीक किया गया।
- **वैश्विक दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है:** चीन की निर्यातोन्मुख रणनीति और वैश्विक बाजारों के साथ संरक्षण (बीआरआई के माध्यम से) ने उसे वैश्विक स्तर पर विस्तार और प्रभाव बढ़ाने में मदद की।
- **नवाचार का एकीकरण:** एआई-संचालित ग्रिड, ग्रीन हाइड्रोजन और परमाणु तकनीक (थोरियम रिएक्टर) में भविष्य के लिए तैयार निवेश यह दर्शाता है कि चीन किस प्रकार अनुसंधान एवं विकास को तैनाती के साथ जोड़ता है।

स्रोत: [द हिंदू](#)

